चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 30 जून 2026, अंक –298.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

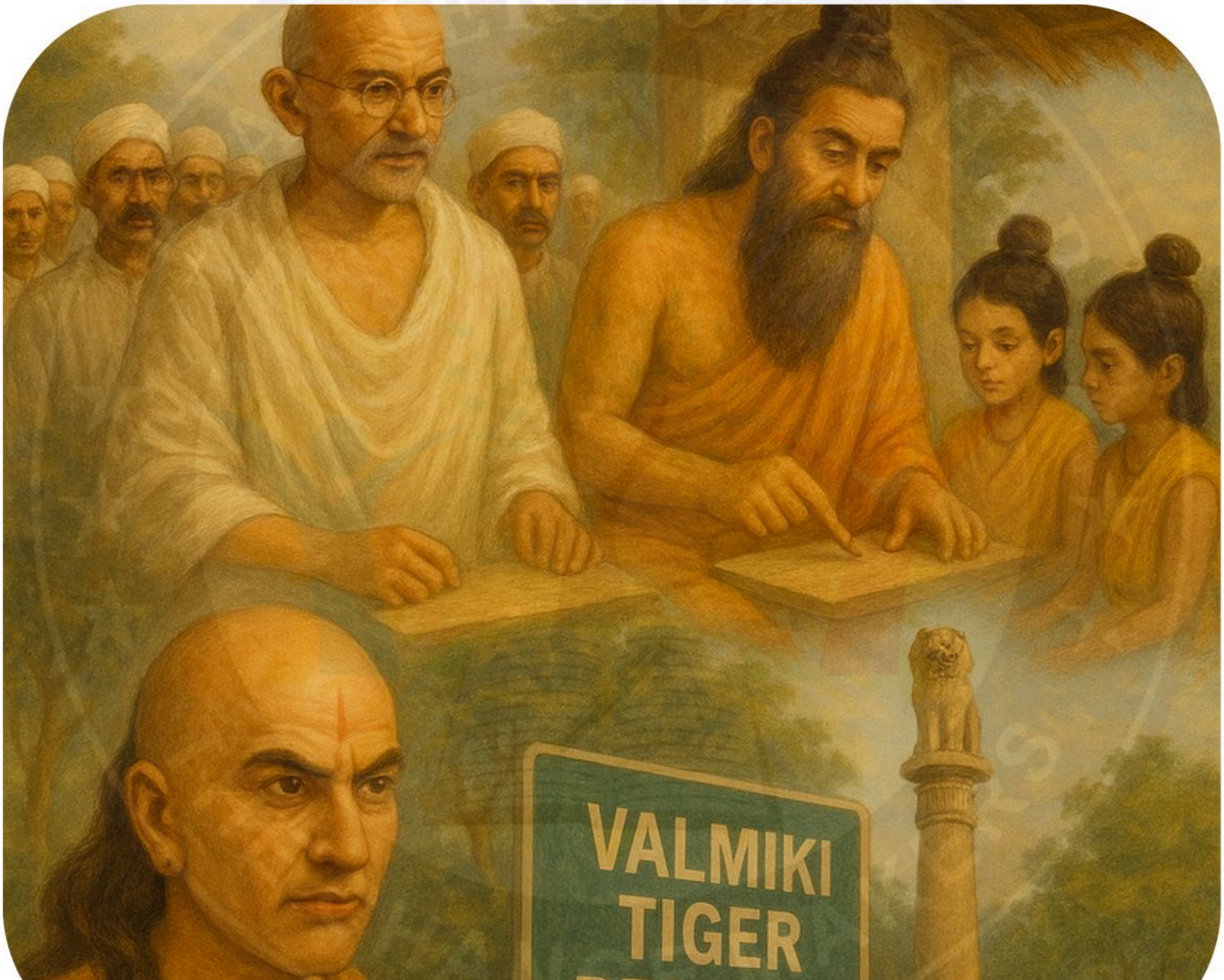

"कामयाबी और नाकामयाबी के बीच की खाई सिर्फ
मेहनत से भरी जा सकती है।"

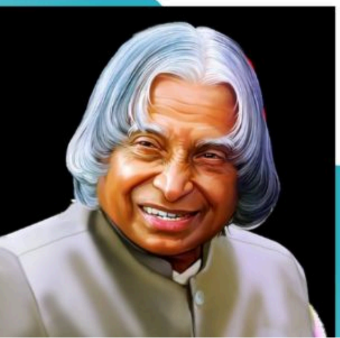

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक
उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Tuesday Prayer

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

सागर से उठा बादल बनके,
बादल से फटा जल हो करके।
फिर नहर बना नदियाँ गहरी,
तेरे भिन्न प्रकार, तू एक ही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

चींटी से भी अणु-परमाणु बना,
सब जीव-जगत् का रूप लिया।
कहीं पर्वत-वृक्ष विशाल बना,
सौंदर्य तेरा, तू एक ही है ॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

यह दिव्य दिखाया है जिसने,
वह है गुरुदेव की पूर्ण दया।
तुकड़िया कहे कोई न और दिखा,
बस मैं अरु तू सब एकही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. जर्मनी की मुद्रा क्या है?
उत्तर: यूरो
प्रश्न 2. भारत की पहली महिला राष्ट्रपति कौन थीं?
उत्तर: प्रतिभा पाटिल
प्रश्न 3. 'सोरठी' लोकनृत्य किस राज्य की संस्कृति से जुड़ा है?
उत्तर: गुजरात
प्रश्न 4. 11 का वर्ग (Square) क्या है?
उत्तर: 121
प्रश्न 5. बिहार का 'गोलघर' किस शहर में स्थित है?
उत्तर: पटना
प्रश्न 6. एराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: केरल
प्रश्न 7. बिजली के बल्ब को व्यावहारिक रूप से विकसित करने का श्रेय किसे दिया जाता है?
उत्तर: थॉमस अल्वा एडिसन
प्रश्न 8. भारतीय संविधान की प्रस्तावना में "समाजवादी" और "धर्मनिरपेक्ष" शब्द किस संशोधन द्वारा जोड़े गए?
उत्तर: 42वाँ संशोधन
प्रश्न 9. 'सुख' शब्द का विलोम क्या है?
उत्तर: दुख
प्रश्न 10. मानव शरीर में हड्डियों का ढांचा क्या कहलाता है?
उत्तर: कंकाल

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Toothpaste – (टूथपेस्ट) – दाँत साफ करने का पेस्ट
Combcase – (कोमकेस) – कंघी रखने का डिब्बा
Tissue – (टिश्यू) – रूमाल जैसा कागज़
Perfume – (परफ्यूम) – सुगंधित द्रव्य
Tumbler – (टम्बलर) – गिलास / पानी का पात्र
Brush – (ब्रश) – साफ करने का ब्रश
Container – (कंटेनर) – डिब्बा / पात्र

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "हम ... सकते/सकती हैं" (We can ...)

हम पढ़ सकते हैं। – We can read.
हम लिख सकते हैं। – We can write.
हम खेल सकते हैं। – We can play.
हम गा सकते हैं। – We can sing.
हम अंग्रेज़ी बोल सकते हैं। – We can speak English.

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटाहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 30 जून को "अंतरराष्ट्रीय क्षुद्रग्रह दिवस" (International Asteroid Day) किस ऐतिहासिक घटना की स्मृति में घोषित किया?
उत्तर: तुंगुस्का घटना (1908)
व्याख्या: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने दिसंबर 2016 में प्रस्ताव A/RES/71/90 के तहत 30 जून को "अंतरराष्ट्रीय क्षुद्रग्रह दिवस" घोषित किया, ताकि 30 जून 1908 को साइबेरिया में हुई तुंगुस्का प्रभाव घटना की वर्षगाँठ मनाई जा सके और क्षुद्रग्रह प्रहार के खतरे के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाई जा सके। (United Nations) तुंगुस्का घटना में एक क्षुद्रग्रह के वायु में विस्फोट से साइबेरिया के 830 वर्ग मील क्षेत्र में 8 करोड़ से अधिक पेड़ धराशायी हो गए थे। (United Nations) NASA के अनुसार अब तक 36,000 से अधिक निकट-पृथ्वी क्षुद्रग्रह (NEA) खोजे जा चुके हैं। (United Nations) DART मिशन (2022) द्वारा पहली बार क्षुद्रग्रह की दिशा बदलना सिद्ध किया गया।
संदर्भ: UN Resolution A/RES/71/90; un.org/en/observances/asteroid-day; NASA Planetary Defense Coordination Office.

प्र.2. जून 2026 में भारत और यूनाइटेड किंगडम ने घोषणा की कि उनका व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (CETA) किस तिथि से लागू होगा, जो ब्रेक्जिट के बाद UK का सबसे महत्वपूर्ण द्विपक्षीय व्यापार समझौता है?
उत्तर: 15 जुलाई 2026
व्याख्या: भारत और यूनाइटेड किंगडम ने G7 शिखर सम्मेलन के इतर 15 जुलाई 2026 को CETA (Comprehensive Economic and Trade Agreement) के लागू होने की तिथि घोषित की। यह समझौता जुलाई 2025 में हस्ताक्षरित हुआ था, जिसे मूलतः अप्रैल-मई 2026 से लागू होना था किंतु UK की स्टील नीति के विवाद से विलंबित हो गया था। (UN Television) CETA भारत को UK के 99% टैरिफ लाइनों पर शुल्क-मुक्त पहुँच प्रदान करता है और 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब USD तक दोगुना करने का लक्ष्य है। (Testbook) इसके साथ ही भारतीय पेशेवरों को दोहरे सामाजिक सुरक्षा योगदान से छूट देने वाला Double Contribution Convention (DCC) भी लागू होगा।

प्र.3. बिहार के उस महान स्वतंत्रता सेनानी का नाम बताइए जिन्होंने "तृतीय चंपारण सत्याग्रह" का आह्वान किया था और जो 1917 के गाँधीजी के चंपारण सत्याग्रह से प्रेरित होकर बाद में किसान आंदोलन में सक्रिय रहे?
उत्तर: राजकुमार शुक्ल
व्याख्या: राजकुमार शुक्ल पश्चिम चंपारण के एक साहसी किसान नेता थे जिन्होंने 1917 में महात्मा गाँधी को चंपारण आने के लिए प्रेरित किया था। उन्होंने लखनऊ कांग्रेस अधिवेशन (1916) में गाँधीजी से मुलाकात कर उन्हें नील किसानों की दुर्दशा से अवगत कराया था। उनकी अथक अपीलों के फलस्वरूप ही गाँधीजी चंपारण आए और यहाँ से सत्याग्रह का नया अध्याय लिखा गया। चंपारण सत्याग्रह (1917) भारत में गाँधीजी का प्रथम सत्याग्रह था। इस आंदोलन के अन्य महत्वपूर्ण सहयोगियों में डॉ. राजेंद्र प्रसाद, बृजकिशोर प्रसाद और जे.बी. कृपलानी शामिल थे। यह प्रश्न चंपारण क्षेत्र के इतिहास के प्रति गर्व और जागरूकता का प्रतीक है।
संदर्भ: NCERT History Class 10, Ch 2 Nationalism in India, p. 26; Champaran Satyagraha —

प्र.4. वह कौन सा पारिस्थितिक संकट है जिसमें किसी जलाशय में अत्यधिक पोषक तत्वों (नाइट्रोजन, फॉस्फोरस) की आपूर्ति से शैवालों की अनियंत्रित वृद्धि होती है और जलीय जीवन नष्ट होने लगता है?
उत्तर: सुपोषण (Eutrophication)
व्याख्या: सुपोषण (Eutrophication) वह प्रक्रिया है जिसमें खेतों से बह आए उर्वरकों, औद्योगिक अपशिष्ट और घरेलू सीवेज से जलाशयों में नाइट्रोजन एवं फॉस्फोरस की अधिकता हो जाती है। इससे शैवाल (Algae) की अत्यधिक वृद्धि होती है जिसे "Algal Bloom" कहते हैं। यह सूर्य के प्रकाश को जल में प्रवेश करने से रोकता है और ऑक्सीजन की मात्रा कम हो जाती है, जिससे मछलियाँ व अन्य जलीय जीव मर जाते हैं। भारत में झीलें जैसे डल झील (कश्मीर) और हुसैन सागर (हैदराबाद) सुपोषण से गंभीर रूप से प्रभावित हैं। यह प्रदूषण नियंत्रण के लिए एक महत्वपूर्ण NCERT विषय है।
संदर्भ: NCERT Science Class 8, Ch 18 Pollution of Air and Water, p. 217; NCERT Biology Class 12, Ch 16 Environmental Issues.

प्र.5. 1905 में लॉर्ड कर्ज़न द्वारा किए गए बंगाल विभाजन के विरोध में कौन सा राष्ट्रवादी आंदोलन प्रारंभ हुआ जिसमें विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार और स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने पर जोर दिया गया?
उत्तर: स्वदेशी आंदोलन
व्याख्या: 1905 में लॉर्ड कर्ज़न ने बंगाल को हिंदू-बहुल पश्चिमी भाग और मुस्लिम-बहुल पूर्वी भाग में विभाजित किया। इसके विरोध में बाल गंगाधर तिलक, बिपिन चंद्र पाल, लाल लाजपत राय (लाल-बाल-पाल) के नेतृत्व में स्वदेशी आंदोलन छिड़ गया। इसमें विदेशी वस्त्रों की होली जलाई गई, स्वदेशी उद्योगों को प्रोत्साहन दिया गया और राष्ट्रीय शिक्षा की माँग उठी। रवींद्रनाथ टैगोर ने "आमार सोनार बांग्ला" इसी काल में लिखा। 1911 में बंगाल विभाजन रद्द हुआ। यह आंदोलन भारतीय राष्ट्रवाद के विकास में एक निर्णायक मोड़ था।
संदर्भ: NCERT History Class 10, Ch 2 Nationalism in India, p. 18–21; NCERT Class 8, Ch 9 Women, Caste and Reform, p. 103

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. भारत में "पश्चिमी घाट" (Western Ghats) को UNESCO द्वारा किस वर्ष विश्व प्राकृतिक धरोहर (World Natural Heritage) घोषित किया गया और यह किन राज्यों में फैला है?

उत्तर: 2012 में

व्याख्या: UNESCO ने 2012 में पश्चिमी घाट को विश्व प्राकृतिक धरोहर स्थल घोषित किया। यह पर्वत श्रृंखला गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु — कुल छह राज्यों में लगभग 1,600 किमी की लंबाई में फैली है। इसे "भारत का जल मीनार" भी कहते हैं क्योंकि यहाँ से गोदावरी, कृष्णा, कावेरी जैसी प्रमुख नदियाँ निकलती हैं। यह विश्व के आठ जैवविविधता हॉटस्पॉट (Biodiversity Hotspots) में से एक है। यहाँ श्रीलंकाई तेंदुआ, नीलगिरि तहर, शेर-पूँछ मकाक आदि दुर्लभ प्रजातियाँ पाई जाती हैं।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9, Ch 5 Natural Vegetation and Wildlife, p. 55; UNESCO World Heritage List; MoEFCC India.

प्र.7. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 32 को डॉ. भीमराव अंबेडकर ने "संविधान की आत्मा और हृदय" क्यों कहा था?

उत्तर: मौलिक अधिकार प्रवर्तन हेतु

व्याख्या: अनुच्छेद 32 प्रत्येक नागरिक को मौलिक अधिकारों के उल्लंघन पर सर्वोच्च न्यायालय में सीधे जाने का अधिकार देता है — यह स्वयं भी एक मौलिक अधिकार है। डॉ. अंबेडकर ने इसे "संविधान की आत्मा और हृदय" इसलिए कहा क्योंकि अधिकार तभी सार्थक होते हैं जब उनके उल्लंघन पर न्यायालय उपचार (Remedy) प्रदान कर सके। इस अनुच्छेद के अंतर्गत सर्वोच्च न्यायालय बंदी प्रत्यक्षीकरण (Habeas Corpus), परमादेश (Mandamus), प्रतिषेध (Prohibition), उत्प्रेषण (Certiorari) और अधिकार पृच्छा (Quo Warranto) — पाँच प्रकार की रिटें जारी कर सकता है। राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान (अनु. 359 के तहत) इसे निलंबित किया जा सकता है।

संदर्भ: NCERT Political Science Class 9, Ch 5 Democratic Rights, p. 92–95; Constitution of India, Article 32.

प्र.8. पौधों में जल और खनिज लवणों का परिवहन किस ऊतक (Tissue) द्वारा होता है?

उत्तर: जाइलम

व्याख्या: जाइलम (Xylem) पौधों का एक संवहनी ऊतक (Vascular Tissue) है जो जड़ों से अवशोषित जल और खनिज लवणों को तने व पत्तियों तक पहुँचाता है। यह क्रिया "वाष्पोत्सर्जन खिंचाव" (Transpiration Pull) के कारण होती है — पत्तियों से वाष्पीकरण एक खिंचाव उत्पन्न करता है जो जल को ऊपर चढ़ाता है। जाइलम में चार प्रकार की कोशिकाएँ होती हैं: वाहिनिकाएँ (Tracheids), वाहिकाएँ (Vessels), जाइलम तंतु और जाइलम मृदूतक। इसके विपरीत, फ्लोएम (Phloem) पत्तियों में बने भोजन (ग्लूकोज) को पौधे के सभी भागों तक पहुँचाता है।

संदर्भ: NCERT Science Class 7, Ch 11 Transportation in Animals and Plants, p. 133–135; NCERT Science Class 10, Ch 6 Life Processes, p. 108.

प्र.9. छठ पूजा बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश का सर्वाधिक महत्वपूर्ण लोकपर्व है — इसमें किस देवता की उपासना की जाती है और यह किस नदी के तट पर मुख्यतः मनाया जाता है?

उत्तर: सूर्यदेव (छठी मैया)

व्याख्या: छठ पर्व कार्तिक शुक्ल षष्ठी को मनाया जाता है और इसमें सूर्यदेव (भगवान सूर्य) तथा छठी मैया (षष्ठी देवी) की उपासना की जाती है। यह विश्व का एकमात्र प्रमुख पर्व है जिसमें उगते और डूबते सूर्य दोनों को अर्घ्य दिया जाता है। व्रत, स्नान, ठेकुआ प्रसाद और नदी तट पर खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देना इसके प्रमुख अनुष्ठान हैं। मुख्यतः गंगा, सोन, गंडक, बागमती आदि बिहार की नदियों के तट पर यह महापर्व मनाया जाता है। 2024 में UNESCO ने इसे "इंटेंजिबल कल्चरल हेरिटेज" की सूची में नामांकन के लिए भारत की ओर से प्रस्तावित किया। चंपारण में भी यह पर्व विशेष भव्यता से मनाया जाता है।

संदर्भ: Bihar Culture Reference — BPSC GK Compendium; NCERT Social Science Class 7, Ch 9 Devotional Paths; SCERT Bihar Cultural Heritage Module.

प्र.10. बिहार में गंगा नदी के किनारे बसे किस ऐतिहासिक नगर में मौर्य सम्राट अशोक ने अपनी राजधानी स्थापित की थी और जो आज भी एक प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन केंद्र है?

उत्तर: पाटलिपुत्र (पटना)

व्याख्या: पाटलिपुत्र (आधुनिक पटना) मगध साम्राज्य की राजधानी था। इसकी स्थापना उदयिन (उदायभद्र, 461 ईपू) ने की थी। मौर्य वंश के चंद्रगुप्त मौर्य, बिंदुसार और अशोक महान ने यहीं से विशाल साम्राज्य का संचालन किया। यूनानी राजदूत मेगस्थनीज ने इसे "पालिबोथ्रा" नाम से वर्णित किया और इसे विश्व के सबसे समृद्ध नगरों में गिना। बाद में गुप्त वंश ने भी इसे राजधानी बनाए रखा। आज पटना बिहार की राजधानी है। पटना साहिब सिखों का पवित्र तीर्थस्थल और गोलघर (1786) ऐतिहासिक धरोहर यहाँ स्थित हैं।

संदर्भ: NCERT History Class 6, Ch 8 Ashoka the Emperor, p. 102–107; NCERT Class 12 History, Theme 2 Kings Farmers and Towns, p. 28–33; Bihar GK BPSC Reference

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के वज्रपात सुरक्षा मॉड्यूल के अनुसार, विद्यालय में वज्रपात की चेतावनी मिलने पर खेल के मैदान में खेल रहे बच्चों को सबसे पहले किस क्रम में कार्य करना चाहिए?
उत्तर: खेल रोकें, इमारत में जाएँ
व्याख्या: BSDMA के मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम में वज्रपात सुरक्षा के लिए बच्चों को "30-30 नियम" सिखाया जाता है — यदि बिजली चमकने और गर्जन सुनाई देने के बीच 30 सेकंड से कम का अंतर हो, तो खतरा निकट है। ऐसी स्थिति में खेल के मैदान में खेल रहे बच्चों को तुरंत सभी खेल गतिविधियाँ रोकनी चाहिए और बिना देरी किए विद्यालय की पक्की इमारत के भीतर चले जाना चाहिए। मैदान में बिखरकर या दौड़ते हुए न जाएँ — समूह में व्यवस्थित ढंग से जाना सुरक्षित है। अंतिम गर्जन के 30 मिनट बाद ही बाहर निकलना चाहिए। शिक्षक की जिम्मेदारी है कि वह बच्चों को आपदा से पहले यह प्रशिक्षण दे।
संदर्भ: BSDMA Vidyalaya Suraksha Karyakram — Vajrapat Module, June W4; bsdma.org; Bihar Disaster Management Teacher Training Manual 2025

प्र.12. एक कक्षा में 40 छात्र हैं। शिक्षक ने पहली पंक्ति से गिनती शुरू की — पहले छात्र का नंबर 1, दूसरे का 2, इसी क्रम में। यदि हर तीसरे नंबर के छात्र को पुरस्कार मिलता है, तो कुल कितने छात्रों को पुरस्कार मिलेगा और 39वें नंबर का छात्र पुरस्कार पाएगा या नहीं?
उत्तर: 13 छात्र; हाँ (39 ÷ 3 = 13)
व्याख्या: 1 से 40 तक के बीच जो संख्याएँ 3 से पूर्णतः विभाज्य हों: 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27, 30, 33, 36, 39 — कुल 13 संख्याएँ। अतः 13 छात्रों को पुरस्कार मिलेगा। 39वाँ छात्र — 39 ÷ 3 = 13 (शेषफल 0) — अतः हाँ, उसे भी पुरस्कार मिलेगा। यह प्रश्न विभाज्यता नियम (Divisibility Rule of 3) पर आधारित है: यदि किसी संख्या के अंकों का योग 3 से विभाज्य हो, तो वह संख्या भी 3 से विभाज्य होती है। 3+9=12, 12÷3=4 — अतः 39 भी 3 से विभाज्य है। इस प्रकार के प्रश्न संख्या-पद्धति और गणितीय सोच विकसित करने में सहायक हैं।
संदर्भ: NCERT Mathematics Class 6, Ch 3 Playing with Numbers — Divisibility Rules, p.

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

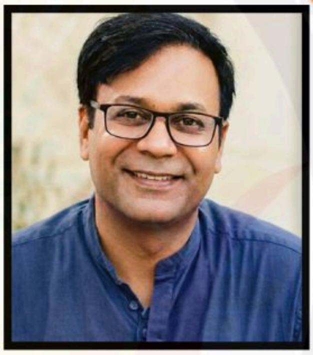

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Keen (कीन) = Eager (ईगर) = उत्सुक / तीव्र
  Antonym – Indifferent (इन्डिफरेंट) = उदासीन
Lethargic (लेथार्जिक) = Lazy (लेज़ी) = सुस्त
  Antonym – Energetic (एनर्जेटिक) = ऊर्जावान
Magnify (मैग्निफ़ाई) = Enlarge (इनलार्ज) = बढ़ाना / विस्तार करना
  Antonym – Minimize (मिनिमाइज़) = छोटा करना / कम करना
Negligent (नेग्लिजेन्ट) = Careless (केयरलेस) = लापरवाह
  Antonym – Attentive (अटेन्टिव) = सावधान
Obedient (ओबीडिएन्ट) = Dutiful (ड्यूटीफुल) = आज्ञाकारी
  Antonym – Defiant (डिफायन्ट) = अवज्ञाकारी

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

1. India's First National Rural Development Conference Concludes; AI to Transform Village Governance

हिन्दी अनुवाद: भारत का प्रथम राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन संपन्न; AI से गाँवों का शासन मज़बूत करने का संकल्प। केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को 'ग्रामोदय से राष्ट्रोदय' सम्मेलन के दूसरे दिन राज्यों से ग्रामीण योजनाओं में AI एवं डिजिटल तकनीक अपनाने का आग्रह किया। 29 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के ग्रामीण विकास मंत्री इस सम्मेलन में शामिल हुए। (IANS News) मंत्री ने कहा — "विकसित भारत, विकसित गाँव के बिना संभव नहीं।" VB-GRAM-G योजना पर भी चर्चा हुई जो रोजगार, आवास, सड़क, आजीविका और सामाजिक सुरक्षा को एकीकृत करती है।

2. Anaemia Mukt Bharat Abhiyaan Operational Guidelines Released at 16th CCHFW Meet

हिन्दी अनुवाद: अनीमिया मुक्त भारत अभियान के नए दिशा-निर्देश जारी; T4 दृष्टिकोण से माताओं व बच्चों का स्वास्थ्य मज़बूत होगा।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने 16वीं CCHFW बैठक में 'अनीमिया मुक्त भारत अभियान' के परिचालन दिशा-निर्देश जारी किए। यह कार्यक्रम अब केवल आयरन की खुराक तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जाँच, उपचार, डिजिटल ट्रैकिंग और जन-चेतना को भी समाहित करेगा। (Press Information Bureau) नई पहल में T3 (Test, Treat, Talk) के स्थान पर T4 (Test, Treat, Talk, Track) दृष्टिकोण अपनाया गया है। JANANI पोर्टल के माध्यम से गर्भवती महिलाओं का हीमोग्लोबिन डेटा डिजिटल रूप से ट्रैक किया जाएगा।

3. Digital India Programme Completes 11 Years on 1 July 2026 — From Connectivity to AI Frontier

हिन्दी अनुवाद: डिजिटल इंडिया के 11 वर्ष पूर्ण: UPI से AI तक — भारत की डिजिटल क्रांति का स्वर्णिम सफर। डिजिटल इंडिया कार्यक्रम 1 जुलाई 2026 को 11 वर्ष पूरे करेगा। UPI वैश्विक रियल-टाइम डिजिटल भुगतान का ~49% हिस्सा बन चुका है; DigiLocker के 70.69 करोड़ उपयोगकर्ता हैं; DBT के माध्यम से 51 लाख करोड़ रुपये 176 करोड़ लाभार्थियों को हस्तांतरित किए जा चुके हैं। अब कार्यक्रम AI, सेमीकंडक्टर और विकसित भारत@2047 की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

INTERNATIONAL NEWS

1. Venezuela Earthquake Death Toll Crosses 1,450; Rescue Operations Continue on Day 5

हिन्दी अनुवाद: वेनेज़ुएला भूकंप: मृतक 1,450 पार, 68,900 से अधिक लापता; 5वें दिन भी बचाव अभियान जारी। 24 जून 2026 को वेनेज़ुएला में 7.2 और 7.5 तीव्रता के जुड़वाँ भूकंप आए जिनमें अब तक 1,430 से अधिक लोग मारे गए, 3,238 घायल हुए और 68,900 से अधिक लापता हैं। यह वेनेज़ुएला में 1900 के बाद सबसे शक्तिशाली भूकंप है। (Wikipedia) बचावकर्मी ला गुआयरा और काराकास में मलबे में दबे लोगों को निकाल रहे हैं। 106 घंटे बाद भी एक व्यक्ति को जीवित बचाया गया।

3. 7th Global Conference on Climate and SDG Synergies Begins in Bangkok

हिन्दी अनुवाद: बैंकॉक में जलवायु और SDG सहयोग पर 7वाँ वैश्विक सम्मेलन प्रारंभ; एशिया-प्रशांत क्षेत्र पर विशेष ध्यान।

UN DESA और UNFCCC के सह-आयोजन में बैंकॉक में 29-30 जून को 'जलवायु और SDG सहयोग पर 7वाँ वैश्विक सम्मेलन' प्रारंभ हुआ। यह ESCAP की साझेदारी में आयोजित है। इसका उद्देश्य जलवायु कार्रवाई और सतत विकास लक्ष्यों के बीच समन्वय को मज़बूत करना है।

3. 7th Global Conference on Climate and SDG Synergies Begins in Bangkok

हिन्दी अनुवाद: बैंकॉक में जलवायु और SDG सहयोग पर 7वाँ वैश्विक सम्मेलन प्रारंभ; एशिया-प्रशांत क्षेत्र पर विशेष ध्यान।

UN DESA और UNFCCC के सह-आयोजन में बैंकॉक में 29-30 जून को 'जलवायु और SDG सहयोग पर 7वाँ वैश्विक सम्मेलन' प्रारंभ हुआ। यह ESCAP की साझेदारी में आयोजित है। इसका उद्देश्य जलवायु कार्रवाई और सतत विकास लक्ष्यों के बीच समन्वय को मज़बूत करना है।

BIHAR NEWS

1. BPSC 72nd CCE Prelims on 26 July 2026 — 1,186 Vacancies; New 5th MCQ Option 'E' Introduced
हिन्दी अनुवाद: BPSC 72वीं CCE प्रारंभिक परीक्षा 26 जुलाई को; MCQ में अब 5वाँ विकल्प 'E' लागू — अभ्यर्थी सतर्क रहें।
बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) की 72वीं संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा 26 जुलाई 2026 (रविवार) को आयोजित होगी। कुल 1,186 रिक्तियाँ हैं जिनमें SDO, DSP, District Commandant, Sub Registrar जैसे प्रमुख प्रशासनिक पद शामिल हैं। (Testbook) BPSC ने MCQ परीक्षाओं में अब 5वाँ उत्तर विकल्प 'E' शामिल करने की महत्वपूर्ण सूचना जारी की है — सभी अभ्यर्थी इसे ध्यान में रखें।

2. Bihar Govt Deadline Day: Rabri Devi Vacates Official Bungalow at 10 Circular Road, Patna
हिन्दी अनुवाद: बिहार: राबड़ी देवी का 10 सर्कुलर रोड सरकारी बंगला खाली; भवन निर्माण विभाग की समयसीमा पर अमल।
बिहार भवन निर्माण विभाग द्वारा 29 जून 2026 तक पटना स्थित 10 सर्कुलर रोड का सरकारी आवास खाली करने का अल्टीमेटम दिया गया था। (Amar Ujala) पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के सरकारी आवास से घरेलू सामान लालू प्रसाद यादव के पटना के कौटिल्य नगर स्थित निजी आवास में स्थानांतरित किया गया।

SPORTS NEWS

1. India's 'Black Day' in Cricket: Women Crash Out of T20 World Cup; Men Lose Series to Ireland 2-0
हिन्दी अनुवाद: भारतीय क्रिकेट का 'ब्लैक डे': महिला T20 विश्व कप से बाहर; आयरलैंड ने पुरुष टीम को ऐतिहासिक T20I सीरीज़ में 2-0 से हराया।
28 जून को भारत के लिए दोहरा झटका लगा। ऑस्ट्रेलिया ने Ellyse Perry और Ash Gardner की शतकीय साझेदारी के दम पर भारतीय महिला टीम को हराकर उन्हें ICC महिला T20 विश्व कप के ग्रुप चरण से बाहर किया। वहीं आयरलैंड ने Stormont में एक रन से जीतकर भारतीय पुरुष टीम को 2-0 से T20I सीरीज़ में हराया — यह 2023 के बाद भारत की पहली द्विपक्षीय T20I सीरीज़ हार है।

2. FIFA World Cup 2026: Round of 32 in Full Swing — Brazil vs Japan, Germany vs Paraguay Today
हिन्दी अनुवाद: FIFA विश्व कप 2026 नॉकआउट दौर जारी: ब्राज़ील-जापान, जर्मनी-पैराग्वे के रोमांचक मुकाबले आज।
FIFA विश्व कप 2026 का नॉकआउट दौर प्रारंभ हो गया है। कनाडा Round of 32 जीतकर Round of 16 में प्रवेश करने वाली पहली टीम बनी। (World Cup Wiki) 29 जून को Houston में ब्राज़ील बनाम जापान, Boston में जर्मनी बनाम पैराग्वे और Monterrey में नीदरलैंड्स बनाम मोरक्को के मैच खेले जा रहे हैं।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

💡 आज का ज्ञान, कल की सफलता की नींव है।

निरंतर अध्ययन करते रहें — सफलता अवश्य मिलेगी।

प्रेरक प्रसंग

सही उपयोग, सही पहचान

(30 जून – विश्व सोशल मीडिया दिवस विशेष)

आज विद्यालय की प्रार्थना सभा में मालती मैडम ने बच्चों से पूछा, “बच्चों, क्या सोशल मीडिया केवल मनोरंजन का साधन है?”

कक्षा में कुछ बच्चों ने “हाँ” कहा, तो कुछ चुप रहे। तभी अजय बोला, “मैडम, इससे नई-नई बातें भी सीखने को मिलती हैं।”

मालती मैडम ने कहा, “बिल्कुल। सोशल मीडिया एक शक्तिशाली माध्यम है। यह हमें ज्ञान भी दे सकता है और भ्रम भी। यह इस बात पर निर्भर करता है कि हम इसका उपयोग कैसे करते हैं।”

फिर उन्होंने एक घटना सुनाई।

विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित होने वाली थी। सभी बच्चों को अपने-अपने मॉडल तैयार करने थे। अजय ने सोशल मीडिया पर कई छोटे-छोटे शैक्षिक वीडियो देखे। उसने उनमें से अच्छे विचार सीखे, लेकिन किसी की नकल नहीं की। उसने उन विचारों को अपनी कल्पना के साथ जोड़कर वर्षा जल संचयन का एक नया मॉडल तैयार किया।

दूसरी ओर कुछ बच्चों ने इंटरनेट से पूरा मॉडल और उसका विवरण ज्यों-का-त्यों उतार लिया। जब निर्णायकों ने उनसे मॉडल के बारे में प्रश्न पूछे, तो वे उत्तर नहीं दे सके।

अजय ने आत्मविश्वास के साथ अपने मॉडल की कार्यप्रणाली समझाई। उसका मॉडल प्रथम स्थान पर चुना गया।

पुरस्कार वितरण के समय मालती मैडम ने कहा, “बच्चों, सोशल मीडिया का उद्देश्य केवल समय बिताना नहीं, बल्कि सीखना, समझना और अपनी प्रतिभा को निखारना है। जो केवल नकल करता है, वह कुछ समय के लिए आगे बढ़ सकता है, लेकिन जो सीखकर नया सोचता है, वही सच्ची सफलता प्राप्त करता है।”

उस दिन सभी बच्चों ने संकल्प लिया कि वे सोशल मीडिया का उपयोग ज्ञान प्राप्त करने, अपनी प्रतिभा बढ़ाने और सकारात्मक विचार साझा करने के लिए करेंगे।

संदेश : “सोशल मीडिया का सही उपयोग हमें जानकारी नहीं, बल्कि समझ और नई पहचान भी देता है।”

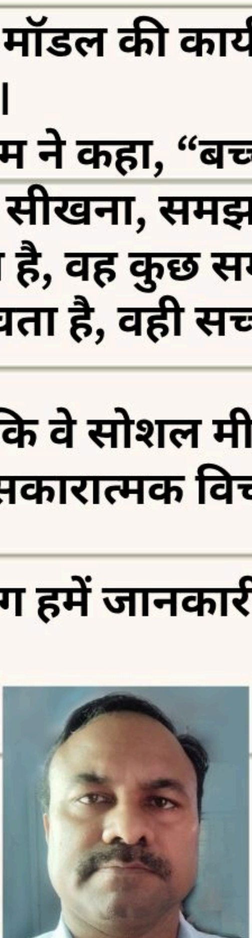

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

"शिक्षक संवर्धन"

गतिविधि आधारित शिक्षण और खेल विधि — जहाँ सीखना एक आनंद है

शिक्षक साथियों, आधुनिक बाल मनोविज्ञान और प्रसिद्ध शिक्षाशास्त्री फ्रोबेल (जिन्होंने किंडरगार्टन प्रणाली दी) मानते हैं कि "खेलना बच्चों का स्वाभाविक काम है।" एक बच्चा जब खेलता है, तो वह केवल समय नहीं बिता रहा होता, बल्कि वह अपनी पूरी ऊर्जा, ध्यान और बुद्धि का उपयोग कर रहा होता है। खेल विधि (Play-Way Method) और गतिविधि आधारित शिक्षण (Activity-Based Learning - ABL) का मूल सिद्धांत यही है कि बच्चे की इसी प्राकृतिक खेल-प्रवृत्ति को शिक्षण का माध्यम बना दिया जाए। जब हम सीखने की प्रक्रिया को किसी खेल या गतिविधि से जोड़ देते हैं, तो बच्चा बिना यह जाने कि वह 'पढ़' रहा है, बहुत ही जटिल अवधारणाओं को आत्मसात कर लेता है।

अक्सर कुछ लोगों को लगता है कि खेल विधि का मतलब केवल बच्चों को स्कूल के मैदान में दौड़ाना है, लेकिन ऐसा नहीं है। शैक्षिक खेल बहुत ही उद्देश्यपूर्ण (Purposeful) होते हैं। इनमें मानसिक खेल, रोल-प्ले (अभिनय), पहेलियाँ, और समूह प्रतियोगिताएँ शामिल होती हैं। इस विधि में शिक्षक की भूमिका एक 'कड़क अनुशासक' की नहीं, बल्कि एक 'सह-खिलाड़ी' और 'सुगमकर्ता' (Facilitator) की होती है। यहाँ कक्षा का शांत रहना सफलता की निशानी नहीं है, बल्कि बच्चों की चहचहाहट और सक्रियता यह बताती है कि वे सीख रहे हैं।

उदाहरण:

आइए इसे प्राथमिक स्तर पर 'भाषा और व्याकरण' (जैसे— संज्ञा और क्रिया शब्द) सिखाने के एक बेहद मज़ेदार और व्यावहारिक खेल से समझते हैं।

- पारंपरिक तरीका: आप ब्लैकबोर्ड पर लिखवा दें कि "किसी नाम को संज्ञा कहते हैं और काम को क्रिया कहते हैं।" बच्चे इसे दस बार रटेंगे और शाम तक भूल जाएंगे।
- खेल विधि का तरीका (खेल का नाम - 'पकड़ो और बदलो'): आप बच्चों को एक घेरे (Circle) में खड़ा कर देते हैं। आपके हाथ में एक छोटी गेंद है। नियम यह है कि आप जिस बच्चे की तरफ गेंद फेंकेंगे और कहेंगे "संज्ञा", उस बच्चे को गेंद पकड़कर किसी भी चीज़ का नाम (जैसे— आम, राजू, स्कूल) बोलना होगा। और यदि आप गेंद फेंककर कहेंगे "क्रिया", तो उसे किसी काम का अभिनय करना होगा या शब्द बोलना होगा (जैसे— हंसना, दौड़ना, लिखना)।

जब गेंद तेजी से एक-दूसरे के पास जाती है, तो बच्चे अत्यधिक एकाग्र हो जाते हैं। जो बच्चा गलत बोलता है, वह खेल से बाहर होने के बजाय अगली बार सही करने के लिए और उत्सुक होता है। इस 15 मिनट के खेल के बाद, जब आप उनसे पूछेंगे कि संज्ञा और क्रिया क्या है, तो पूरी कक्षा चिल्लाकर सही उत्तर देगी। यहाँ बच्चों ने कोई परिभाषा नहीं रटी, बल्कि खेल के आनंद में व्याकरण के मूल सिद्धांत को हमेशा के लिए सीख लिया।

शिक्षक साथियों, गतिविधि आधारित शिक्षण का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह 'अंतिम छोर पर बैठे बच्चे' को भी सीखने की प्रक्रिया में शामिल कर लेता है। जो बच्चा सीधे सवाल पूछने पर डरकर चुप हो जाता था, वह खेल के माहौल में खुलकर सामने आता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) के अंतर्गत मूलभूत और प्रारंभिक चरण में इसी विधि को शिक्षण का मुख्य आधार बनाया गया है।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि हमें अपनी कक्षा के डर और नीरसता को 'खिलाड़ी भावना' से बदलना होगा। जब शिक्षा में खेल और गतिविधि का रंग घुलता है, तो स्कूल का बस्ता हल्का लगने लगता है और सीखना एक उत्सव बन जाता है। आज चिंतन कीजिएगा कि कल की कक्षा के किस उबाऊ पाठ को आप एक मज़ेदार खेल में बदल सकते हैं?

..................✍️
मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राजकीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वे अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे युरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे पे्ररक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगिण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक,

> सरकारी विद्यालयो मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

अनुभाग-8

"बिहार दर्शन : वैशाली, अंक–1"

वैशाली: गणतंत्र की जननी, नदियों का त्रिकोण और विशिष्ट जलीय भूगोल

'संपादकीय' ✍️

भौगोलिक और ऐतिहासिक दोनों ही दृष्टिकोणों से वैशाली केवल एक प्रशासनिक जिला नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर मानवीय चेतना और लोकतांत्रिक मूल्यों का उद्गम स्थल है। तिरहुत प्रमंडल के अंतर्गत आने वाले इस जिले की स्थापना वर्ष 1972 में मुजफ्फरपुर से अलग होकर हुई थी, जिसका मुख्यालय ऐतिहासिक नगर 'हाजीपुर' है। भौगोलिक रूप से वैशाली एक अत्यंत विशिष्ट 'जलीय त्रिकोण' (Hydrological Triangle) पर स्थित है, जिसकी सीमाएं तीन तरफ से शक्तिशाली नदियों द्वारा निर्धारित होती हैं। इसके दक्षिण में पवित्र गंगा नदी, पश्चिम में नारायणी (गंडक) नदी और पूर्व में बूढ़ी गंडक प्रवाहित होती है। इसकी उत्तरी सीमा मुजफ्फरपुर को स्पर्श करती है। यह विशिष्ट चतुर्भुजीय घेराव वैशाली को संपूर्ण उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच का सबसे महत्वपूर्ण सामरिक और भौगोलिक प्रवेश द्वार बनाता है।

इस जिले का संपूर्ण धरातल उत्तर बिहार के महान मैदान का हिस्सा है, जिसका निर्माण गंडक और गंगा द्वारा लाई गई अत्यंत उपजाऊ 'बालसुंदरी' और 'नवीन जलोढ़' (खादर) मिट्टी से हुआ है। इस मिट्टी में चूने (Calcium) और फॉस्फोरस की प्रचुरता पाई जाती है, जो इसे कृषि के लिए असाधारण रूप से उर्वर बनाती है। वैशाली के भूगोल की एक विशिष्ट स्थानीय पहचान यहाँ की 'दीयारा' भूमि (नदियों के बीच की गाद वाली भूमि) है। गंगा और गंडक के कछारों में विस्तृत यह दीयारा क्षेत्र खरीफ और रबी, दोनों मौसमों में बिना किसी कृत्रिम उर्वरक के भी रिकॉर्ड तोड़ दलहन, तेलहन और नकदी सब्जियों की पैदावार के लिए विख्यात है।

इस मैदानी भूगोल की सबसे अनूठी स्थानीय पारिस्थितिकी यहाँ पाए जाने वाले विशाल 'चौर' और आर्द्रभूमियाँ (Wetlands) हैं, जिनमें महनार, जंदाहा और राजापाकर प्रखंडों के स्थानीय चौर प्रमुख हैं। इस जलीय तंत्र का मुकुटमणि बरेला झील (सलीम अली जुब्बा सहनी पक्षी अभयारण्य) है। लगभग कई हेक्टेयर में फैला यह प्राकृतिक आर्द्रभूमि तंत्र न केवल स्थानीय भू-जल स्तर को बनाए रखता है, बल्कि सर्दियों के मौसम में साइबेरिया, मंगोलिया और मध्य एशिया से आने वाले हजारों किलोमीटर दूर के प्रवासी पक्षियों का आश्रय स्थल बनता है। पर्यावरण और जैव-विविधता की दृष्टि से यह आर्द्रभूमि उत्तर बिहार का एक अमूल्य प्राकृतिक 'इको-सिस्टम' है।

यहाँ की जलवायु उप-उष्णकटिबंधीय नम मानसूनी है, जो स्थानीय स्तर पर बागवानी फसलों के लिए दुनिया का सबसे बेहतरीन वातावरण तैयार करती है। हाजीपुर और आसपास के क्षेत्रों की मिट्टी व आर्द्रता का ही प्रभाव है कि यहाँ का सुप्रसिद्ध 'चिनीया केला' (अपनी मिठास और पतले छिलके के लिए प्रसिद्ध) और 'मालदह आम' की पैदावार राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान रखती है। परंतु, इस प्रचुर प्राकृतिक संपदा के साथ वैशाली को प्रत्येक वर्ष मानसून के दौरान गंडक और गंगा के दोहरे उफान के कारण निचले इलाकों में बाढ़ और कटीले भू-कटाव की गंभीर भौगोलिक चुनौती का भी सामना करना पड़ता है, जिससे निपटने के लिए यहाँ के किसान अपनी पारंपरिक सूझबूझ का परिचय देते हैं।

can, अंततः, वैशाली का यह प्रथम भौगोलिक अंक यह स्पष्ट करता है कि यहाँ का भूगोल प्रकृति के अद्वितीय वरदानों और उसकी सीमाओं का एक बेजोड़ कोलाज है। बरेला झील की शांत लहरों से लेकर राघोपुर दीयारा के दुर्गम टापुओं तक, और हाजीपुर के केले के बागानों से लेकर गंडक-गंगा के विशाल संगम (कोनहारा घाट) तक—यह जिला बिहार के भूगोल की धड़कन है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए वैशाली के इस नदी-त्रिकोण, विशिष्ट दीयारा कृषि प्रारूप और आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी का यह प्रामाणिक अध्ययन संपूर्ण बिहार की नदी-घाटी आर्थिकी और पर्यावरण प्रबंधन को समझने की एक अचूक और वैज्ञानिक दृष्टि प्रदान करता है। ✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org